

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -3

ईश्वर जो करता है ,
अच्छा ही करता है

CHANGING YOUR TOMORROW

मौखिक

कम से कम शब्दों में उत्तर दीजिए-

क) प्रश्न- दोनो मित्रों का नाम क्या था?

उत्तर- दोनो मित्रों का नाम निखिल और गौरव था ।

ख) प्रश्न- गौरव किस का भक्त था?

उत्तर- गौरव ईश्वर का श्रेष्ठ भक्त था।

ग) प्रश्न- गंजा कौन था?

उत्तर- निखिल सिर से गंजा था ।

घ) प्रश्न- मनुष्य कब असमर्थ कहलाता है?

उत्तर- मनुष्य अज्ञानता के कारण ईश्वर के महत्व को जानने में असमर्थ हैं।

लिखित

१. किसने कहा, किससे कहा?

क) "तुम ईश्वर के श्रेष्ठ भक्त हो।" निखिल ने गौरव से

ख) "मेरे सिर पर वज्रपात हुआ।" निखिल ने गौरव से

ग) " सत्य है कि ईश्वर की रचना दोष रहित है।" गौरव ने निखिल से

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) **प्रश्न-** 'ईश्वर की रचना दोष रहित है' क्या आप इस विचार से सहमत हैं?

उत्तर - ईश्वर की रचना दोष रहित है हम इस विचार से सहमत हैं क्योंकि अज्ञानता के कारण हम ईश्वर के इस संसार को तथा उनके महत्व को समझने में असमर्थ हैं।

ख) **प्रश्न-** आपको ईश्वर की कौन- कौन सी रचना श्रेष्ठ लगती है?

उत्तर - ईश्वर की इस रचना में मनुष्य, नदी, नाले, झरने, पशु, पक्षी आदि रचना हमें श्रेष्ठ लगती है।

ग) **प्रश्न-** संसार को मनुष्य ने बनाया है या ईश्वर ने, तर्क सहित उत्तर लिखिए?

उत्तर - संसार को ईश्वर ने बनाया है क्योंकि मनुष्य तो ईश्वर की रचना की ही एक अनोखी तथा सुंदर देन है।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP